

नांदगांव टाइम्स

शनिवार, 29 मार्च 2025, राजनांदगांव

आरएनआई 30910/76

वर्ष 49, अंक 162, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुपए



॥ जय श्री जलाराम ॥

श्री जलाराम प्रॉपर्टी डीलर

उचित दर पर मकान, फ्लैट, डुपलेक्स,
दुकान, ऑफिस, गोदाम, जमीन, प्लॉट
की खरीदी-बिक्री हेतु संपर्क करें।

ऑफिस- बागड़ी ब्रदर्स के बाज़ू में, रामाधीन मार्ग, राजनांदगांव।

मो: 98274-61508, 83192-88559



वन आधारित आजीविका को मजबूत कर जनजातीय समाज की आय बढ़ाने के लिए प्रयासरत है हमारी सरकार : मुख्यमंत्री



रायपुर। जनजातीय समाज और वनों के मध्य गहरा संबंध है और दोनों एक दूसरे के पूरक के रूप में संरक्षित - संवर्धित हो रहे हैं। प्रकृति को गोद में ही जनजाति समाज का पीढ़ी दर पीढ़ी विकास हुआ है। यह कार्यशाला आदिवासी और वनों के सहअस्तित्व को केंद्र में रखकर उनके उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेगा। मुख्यमंत्री श्री दिव्युषी देव साय आज नवा रायपुर में आयोजित समुदायों के लिए वन आधारित जीविकोपार्जन के अवसर विषय पर नीति आयोग तथा वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

[illegible]

स्थापित हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में कोई भी भूखा न रहे, इस उद्देश्य से पंच मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह प्रदेश में व्यापक स्तर पर पीडीएस अन्ना लागू कर लोगों को सस्ते दर पर अन्ना उपलब्ध कराया। उन्होंने प्रमोद मन्थन वनोपज की खरीदी संरभ की, जिससे आदिवासियों को आर्थिक रूप से मजबूत करने का काम किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में लघु वनोपज वनोपज मात्रा में। कुल 67 प्रकार के लघु वनोपजों का संग्रहण, प्रसंस्करण और विक्रय महिला स्वयंसेविका समूहों माध्यम से किया जा रहा है। हम

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा वनोपजों से जुड़ी प्रोत्साहक नीतियों का लाभ उठकर स्व सहायता समूहों का बढ़ते आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री साध्वी के विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह के आजीविका और उद्यान के लिए संचालित पीएम-जन्मन योजना और धरती आवास जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का विशेष रूप से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वनोपजों से अनुसूचित जनजाति बाह्यूल ग्रामों को लाभान्वित किया जा रहा है। इस मौके पर सहाय्य के छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जनजाति समुदायों के उद्यान के लिए

संचालित विपणन योजनाओं को जनकारी सदा ही। मुख्यमंत्री श्री राय ने कहा कि नीति आयोग और विपणन को इस संयुक्त कक्षावाला से जनकारी समाज को तकनीक और नवानगर से जोड़ने के साथ ही अधिक स्थिति को मजबूत करने में मदद मिलेगी। वही नतीजा कह करवपन ने कहा कि नीति आयोग के विषयों से एक प्रासंगिक और महत्वपूर्ण संचालन पर एक एकादसीय कारगाराला आगोशित जन। वही नतीजा कह करवपन ने कहा कि जनकारी समुदाय के विषय संचालित योजनाओं का कक्षावपन एक तेजी से हो रहा है और जनकारी क्षेत्र में व्यवसाय परम सुदृढ़ हो रहा है। कक्षावाला ने नीति आयोग के सहायक श्री सुदि मेहता, प्रमुख सचिव श्री सोमराजी पाण्डे और वरिष्ठ प्रमुख श्री श्री श्रीनवास राव ने अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर एपीसीओएस श्रीमती खालिनी रा. नीति आयोग के निदेशक श्री अमिता वगैरे, वरिष्ठ विपणन के विपक्ष अधिकारी गण और झारखंड, मध्यप्रदेश, ओडिशा, कर्नाटक और राजस्थान से आए प्रवक्ता, विषय विपणन के अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री श्री राव ने जनकारी आधारित

स्टलॉन का विषय अलोकन

मुख्यमंत्री की विष्णु देव नारायण ने आर्यभट्ट परासराम में एक उद्घोषणा पर आधारित स्टलॉन का भी अलोकन किया। श्री प्लेट टेक्नोलॉजी, हेदराबाद की टीम ने मुख्यमंत्री की इस टीम को फॉरवर्ड वीडियो डिस्ट्रिब्यूट किया। प्रसाद ठोमर मोलानुग्रह, बांजारपुर में मुख्यमंत्री से आये श्री. आर. राव ने मुख्यमंत्री की साथ को नतावा कि वे पिछले 35 वर्षों से वक्तापरिषद् पौधों के बीजों को संरक्षण कर रहे हैं।

वे अपने 'गल्लों से जलल की ओर' अभियान के तहत निःशुल्क बीजों का वितरण भी करते आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने श्री राव के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई देते हुए साधनामार्ग दी। प्रलौटवाज कन्द के अमरवा बावें बलसाराज केन्द्र के सदस्यों ने मुख्यमंत्री की साथ शिष्य वे लाव प्रलुप्तस्ट कर करते हुए कन्द में संचालित गतिविधियों की जानकारी दी। श्री राव ने लाव उद्घाटन किसान समिति के सदस्यों, छात्रसंघ हर्बल और जयवाँय एग्रीकॉपी जगपुर के स्टलॉन का अलोकन कर समूह के सदस्यों के साथ चर्चा की।

अलका शुक्ला ने कलिंगा विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि हासिल की

राजादांगवां (नादगांवां)
टाइम्स)। कलिंग
विश्वविद्यालय, नया रायपुर
कला एवं मानविकी संकाय
हिन्दी विषय की शोध
अलका शुक्ला को कलिंग
विश्वविद्यालय के द्वारा
पीएच.डी. उपाधि से सम्मानित
किया गया। उनके शोधका
का विषय प्रेमचंद के क
साहित्य में स्त्री चेतना ए
संवेदना था उन्होंने अपन
विश्वविद्यालय के हिन्दी वि
विभागाध्यक्ष डॉ. अजय शुक्
किया।



उनकी माता श्रीमती बीना शर्मा
एवं स्वपुत्र से मेघोवी अडला के
अतीसमस्त में पम्प ए.ए. की हासिल
करके से पहात बो.एड.पम्प.ए.ए.
पहात पुरी की। उनके सहा.पम्प.ए.ए.
महाविद्यालय में सहा.प्राध्यापक के रूप
में कार्य कर रही हैं। उनका ने बयाँ
कि उनकी हद उल्लंघन करने का
सिक्ता का समना था, जिसे उन्होंने
सकार किया है। उन्होंने हद लक्ष्य को
प्राप्ति का श्रेय अपने कठिन परिश्रम के
अपने मायके और ससुराल श्रेणी के
सहयोग को दिया है। जयपुरी दोस्त
मुकाम हासिल किया। उन्होंने अपनी
श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों की
अभी सदस्यों एवं मित्रों को दिया है। उनकी
से उनके परिश्रम, उनके गौरव और उनके
उत्साह का माहौल बना हुआ है।

विदित हो कि राजनांदगांव जिले के महेंद्र नगर की निवासी अलका शुक्ला के पति श्री पंकज शुक्ला हैं जबकि उनके पिता श्री सुरेश शर्मा, परिवार के सभी सदस्यों एवं मित्रों को दुःखा है। इनकी इस उपलब्धि से उनके परिवार, उनके गाँव और उनके कार्यक्षेत्र में उत्साह का माहौल बना हुआ है।



राजनन्दायाव (नान्दायाव टाइम्स)। स्टेट हाई स्कूल में नमन में चल रही जादुगर की कल्पना की महाराज को प्रभावित। सुशी भाग्यवती देवी की जो दिव्य आध्यात्मिक प्रवचन प्रवृत्तियों के चौध दिन यहाँ की ने नेव और शास्त्रों के प्रमाण सहित भावना के सर्वान्वयितों सर्वशक्तिमान भावना को बुद्धि के द्वारा जाने सके जो क्या, ब्रह्म हो नहीं जान सके थे। योच्यो कि भावना बुद्धि से परे है, मायावती है। हनन मसी जीव गुणों के अधीन है। हनन मसा से परे है, दिव्य है, शाक्त है, हमारी कृप्य मन बुद्धि मायिक है प्रकृत है इसलिए बुद्धि शून्य निक है। इसके अतिरिक्त भावना अर्न्त विकारों धर्मों के अग्रिष्ठ भी है इसलिए बुद्धि बड़े बड़े भाव विचार शक्ति आदि बुद्धि के आधार पर नहीं जान सके तो साधारण संकता। भागवत ज्ञोटे से ज्ञोटे भी हैं, भावना बड़े से बड़े भी हैं, जो धर्म से परे



है, अधर्म से भी परे है, सुष्टी से परे है किन्तु सुष्टीकर्ता भी है, अकर्ता है किन्तु न्यायकर्ता भी है, कृपाकर्ता भी है, भगवान् से भय भी भयभीत होता है किन्तु भगवान् यशोदा मैया को छूँच से डरते हैं। भगवान् को बड़े बड़े ऋषि मुनि महात्मा अपने पारक्रम से नहीं जान सकते और वो आत्माराम पूर्णकाम है किन्तु ब्रजगोपियों के साथ रास भी करते हैं इसलिए ऐसे



भगवान् को जानना बुद्धि से असंभव है। बुद्धि से भगवान् को जानना नहीं जा सकता परंतु यदि किसी पर भगवान् का कृपा हो जाय और भगवान् की बुद्धि (दिव्य शक्ति) उसे मिल जाय, तो सामान्य मूर्ख भी भगवान् को जान सकता है। भगवत् कृपा कैसे मिलेगी इस हेतु भगवत् कृपा विषय पर कल प्रकाश डाला जाएगा। प्रबन्ध के अंत में श्री रामकृष्ण भगवान् की आराती के साथ समाप्त हुआ। 15 दिसम्बर दिव्य आयोज्यविक्र प्रबन्ध श्रृंखला का आयोजन दिनांक 8 अप्रैल 2025 तक प्रतिदिन शाम 7 से रात 9 बजे तक होगा।

जल संरक्षण का संदेश देने शिवगंगा महा आरती का हुआ आयोजन



राजनांदगांव (नंदगांव टाडम्)। शहर के मोहल्ले विश्व शिनायन नदी के तट पर आयोजित होवे वाला शिवांगी महा आरती का आयोजन बोले मुसलमान संस्था प्रदोष तिथि पर किया गया। शिवांगी महा संस्था बोले शांति होकर ब्रह्मांडी नये भगवान पोलेनाय और मंगी का आरती करे हूए और पोरवार में खुश समझिहोकर को कामना को, तो वही नंदी नये जल बकरार करे के लिए यधना करे हूए नंदीय के संस्था और संस्थांन का संदेश दिया। शिवांगी महा आरती समिति द्वारा आयोजित रहे महाआरती में शांति होकर ब्रह्मांडी नये पहले भगवान पोलेनाय को महा आरती को और इसके बाद में मंगी को आरती करे हूए हूए समाप्त मंगी में जल संस्था को समिति को देखते हुए विशेष प्रायश्चित को



गांगा आरती में शामिल होने पहुँची मीराबाई प्रजापति ने कहा कि इस शिव गांगा आरती में शामिल होने से सुखानुसूचित मिलती है। वहीं उन्होंने कहा कि इस आरौखन के माध्यम से जल संरक्षण करने का संदेश मिलता है।

विलुप्त हो रही नदियाँ

शिवगांगा महा आरती के संस्थापक वरिष्ठ प्रवक्ता आरुण शर्मा ने कहा कि शिवगांगा महा आरती लगभग 7 वर्ष पहले प्रारंभ की गई थी। इसका उद्देश्य लोगों में विलुप्त नदियों के प्रति संरक्षण और सज्जन की भावना जागृत करना है। उन्होंने कहा कि आज नदियों के संरक्षण संरक्षण के अभाव में विलुप्त हो जा रही है।



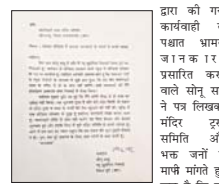
प्रदोष पर धार्मिक महत्व
शिवगंगा महा आरती संपन्न करने वाले पौड्डा अनिल तिवारी ने कहा कि शिवगंगा महाआरती के आयोजन में लोगों में आध्यात्मिक जुड़ाव होता है, तो वहीं इस महा आरती के माध्यम से दिए जाने वाला जल संरक्षण व संदेश भी लोगों तक आसानी से पहुंचता है। उन्होंने कहा कि प्रदोष तिथि पर भगवान शिव की आरती करने से परिवार में सुख समृद्धि आती है।

जल बचाने की अपील
शिवगंगा महा आरती के आयोजन में मोहरा सिम्रंदेव, सहित आसपास के ग्रामीण वार्डों से लोग शामिल हुए और पूजा अर्चना करते हुए सभी से जल बचाने की अपील की।

भ्रामक प्रचार करने वाले के खिलाफ तत्काल शिकायत की गयी



डोंगरगड (नांदगांव टाडम्स)। श्री बल्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति द्वारा हमर भिलाई छत्तीसगढ़ के इंस्टाग्राम पेज में चैत्र नवरात्रि 2025 बल्लेश्वरी माता मंदिर और पालात भैरवी मंदिर में ज्योति कलशा जलाने के पत्तरी रोक नाम से भ्रामक जानकारी प्रसारित किए जाने को जानकारी मिलने पर धना डोंगरगड में तत्काल शिकायत को गयी थी। ट्रस्ट समिति द्वारा को गयी शिकायत पर शीघ्र कार्यवाही करते हुये धना प्रभारी जितेन्द्र वर्मा ने हमर भिलाई छत्तीसगढ़ इंस्टाग्राम पेज पर पोस्ट करने वाले यु. खुसरोपार भिलाई निवासी सोनू माह को डोंगरगड लाने लगाया था। पुलिस प्रभु



कहते हैं कि देव भूलखरा हुआ है मेरी मंशा किसी भी प्रकार से मॉडर ट्यूट और भी कम भक्तों को भवना को ठेस पहुँचाने की नहीं थी। चौँकि मैं मिडिया क्षेत्रागत के पत्र पत्र में विविधा एंटरटेन के पद कारनर हूँ इसलिएजकारकी सल्लाह कारनर हूँ। बवनेश्वरी भूलखरा मैं जोते नही जलगे नही कारन केवल और केवल भूलखरा हूँ इसके लिये मैं पूरे मॉडर ट्यूट सर्मित से मामने मंगता हूँ। श्री बवनेश्वरी मॉडर ट्यूट सर्मित से समस्त मिडिया कार्मियों और सोशला मिडिया सर्मित से आग्रह किया है कि मैं बवनेश्वरी मॉडर ट्यूट छनोनाय प्रेरण से कारनर हूँ के लिये मैं भवनेश्वरी मॉडर ट्यूट के आस्था को संधे हूँ। अतः किसी भी प्रकार को भवनेश्वरी मॉडर ट्यूट प्राने के यवतव सारणी मॉडर ट्यूट के लिये नही मारफाटि त न हूँ।



प्रद्वालोको के लिए विभिन्न ज्योतिष कक्षाओं में ज्योतिष कलश प्रज्वालित करने को भी वैश्वी पूरी कर ली गई है। इस आयोजन को लेकर संस्था के अध्यक्ष जगदीश मारह, उपअध्यक्ष धीरज जोशी, सचिव गणेश प्रसाद मर्मा चक्रवर्त, उपअध्यक्ष नीलम जैन, महंत गोविंद दास, श्रीगुरुप्रसाद सिंह छाबड़ा, महंत तुलिका, आलोक जोशी, सुमन जोशी, दामोदर अप्रवात, कमलेश मीरजाकर, लोतापार सिंह, बलवर्धन सिंह भाटिया, संजय खंडेलवाल, योगेन्द्र पटेल, गणेश पमार सहित अन्य सदस्यों ने आम प्रद्वालोको से अपेक्षा को देखते ही अधिक से अधिक संख्या में माला का दर्शन लाभ कर आनंदित प्राप्त की। इसके अलावा संस्था ने विद्या प्रसासन, पुस्तिस प्रसासन, स्वयंसेवक विभाग व गगर निगम से भी सहयोग को अपेक्षा की गई है।

के अनुसार कथा के पहले दिन 30 मार्च को व
प्रारंभ, 31 मार्च को सुकदेव चरित्र, 1 अप्रैल को
प्राकृत्य महालक्ष्मी कुमारी पूजन, 2 अप्रैल को
चरित्र वर्णन, 3 अप्रैल को महाकाली, चामुंडा,
आदि देवीयों को प्राकृत्य कथा, 4 अप्रैल को कथा
अलक्ष्म्य एवं 56 भोग, 5 अप्रैल को पंच प्रकृति
कथा तथा 6 अप्रैल को पूर्वाह्न: 11 बजे गायत्री शक्ति
प्राण में पूर्णार्ति एवं महासादी का आयोजन कि
गया। आयोजन समिति ने श्रीमद् देवी भगवत
शोभाभागा एवं कथा में धर्म प्रेमी माताओं, बहनों
आदि को से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति
प्राप्त की।

निर्देशन व सहायक प्राध्यापक ओ.पी. वर्मा तथा गौरव तिवारी के नेतृत्व में रसायनशास्त्र विभाग में अंतर्विभागीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में प्राणीशास्त्र विभाग से क्रिया अम्ल अम्ल अम्ल रही, जिन्हें व्याख्यान का मुख्य उद्देश्य शरीर को प्ररिशास्त्र प्रणाली के बारे में अवगत कराना रहा। इसके अलावा उन्होंने प्ररिशास्त्र प्रणाली को शाखाएं, एंटीबॉडी के कार्य से संबंधित जानकारी, शरीर को स्वस्थ रखने के तरीके सहित अति महत्वपूर्ण जानकारीयें प्रदान कीं। छात्र-छात्राओं ने प्रश्न पूछ कर अपने समझ का समाधान भी किया। कार्यक्रम का संचालन सक्षम वैजय एवं धन्यदा ज्ञान गौरव तिवारी द्वारा किया गया।

हिन्दू निर्यातकों में ल्याहॉरों का विशेष महत्त्व होता है। इसी के हतन राखस्थान स्थित गणगीरों को मानने वाले देश के विभिन्न हिस्सों में लोग पति को लंबे समय को कामान व परिवार के सुख, समृद्धि व शांति के लिए हफ्ते पर आस्था रखते हैं। भक्तिमान के साथ मानते हैं। होली के पड़ाव पड़ने वाली शोला अग्रणी से गणगीर को विराजमान कर शोभायात्रा के रूप में विहिरा निकाला जाता है। यमरेड़े यज्ञ के पुरे से पुजा कर सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इस वार गणगीरों पर्व १३ मार्च सोमवार को श्रेष्ठ शुक्ल पक्ष में तुलसी जयन्ति पर विशेषे पुजा अर्चना के साथ शहद शक के विभिन्न स्थानों, मंदिरों, सोभायात्रे पर सूर्य में विराजमान गणगीर को शोभायात्रा निकालकर शहद शक कारगर मां शोला मंदिर माता देवाला के भद्रा कराम में विमर्शित करीगे।

यथाश्रय सुखदायक वमा
भीमती हर्षिता स्वामी
दीर्घक दयागम स्वामी
निराश्रय वमा न रेताया
कविवार को ज्योति कलशो
की जागरी 2 अग्रैल
पंचमी भोग होगा। 5
नवार को अष्टमी हवन
होगा हवन के पश्चात
स्थापित है जन्मदिन सभी ऋतुओं में
पानी बर रहता है। मंदिर में सड़क
व लाइट की व्यवस्था प्रशानन द्वारा
की गई है। हवन में मोतीमाला
ज्योति कलश विशेष रूप से जलाए
जाते हैं समस्त के लोगों ने क्षेत्र के
धर्म प्रेमियों से इस अवसर पर
आधिकारिक संख्या में उपस्थित
की अपील की है।